>

Title: Need to issue a postal stamp in memory of patriot Lala Hardev Sahai.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): सभापति जी, आज दिन भर देश में रोल मॉडलो की बात होती रही। मैं एक ऐसे ही रोल मॉडल का जिक्र कर रहा हूं। भारत के महान सपूत लाला हरदेव सहाय ने देश की अनेक क्षेत्रों में नःस्वार्थ सेवा की है। उनका जन्म हरियाणा में हिसार जिले के सातरोद नामक गांव में 26 सितंबर 1892 को हुआ था। वह प्रथम हरियाणवी थे, जिन्होंने सन् 1912 में अपने पैतृक गांव सातरोद में हिंदी माध्यम का स्कूल खोला और उसके पश्चात अनेक गांवों में 65 स्कूल व एक शिल्पशाला खोल कर ग्रामीण जनता की अज्ञानता व बेकारी दूर करने का प्रयास किया तथा उनमें राष्ट्रीय जागृति पैदा करने का अभियान चलाया।

लाला जी द्वारा स्थापित विद्यालय तथा लाला लाजपत राय शिल्पशाला का अवलोकन करने नेताजी सुभाष चंद्र बोस तथा पं. जवाहर लाल नेहरू भी सातरोद पहुंचे थे। स्वतंत्रता सेनानी के रूप में महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में चलाए गए आंदोलनों में वे सन् 1921 व सन् 1942 में गिरफ्तार हुए तथा दोनों बार उन्हें एक-एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा हुई। समर्पित गोरक्षक के नाते लालाजी ने देश भर में एक शक्तिशाली आंदोलन चलाया जिसके फलस्वरूप संविधान में धारा 48 सम्मिलित की गई तथा उत्तर प्रदेश, बिहार, मेवात आदि क्षेत्रों में गोवध कानूनी तौर पर निषेध हुआ।

स्वदेशी के प्रति भी लाला हरदेव सहाय जी का लगाव अनुपम था। सन् 1930 में अपने घर में हथकरघा लगाने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 30 सितम्बर 2012 को उनके निधन को 50 वर्ष हो जायेंगे।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि भारतीय संस्कृति के प्रतीक तथा स्वदेशी, स्वभाषा व गोरक्षा का आग्रह रखने वाले महान देशभक्त लाला हरदेव सहाय की स्मृति में डाक टिकट जारी करके सरकार सम्पूर्ण देश की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करे।

MR. CHAIRMAN :

Shri Arjun Ram Meghwal and

Shri Mahendrasinh P. Chauhan are allowed to associate themselves with the matter raised by Shri Rajendra Agrawal..